compulsory. Each question carries 03 (Three Marks)

प्रश्न:

Name- Pradeep Sarathiya

No - 7987647889

उत्तर :

Paper-3 [Unit - 4, 5, 6]

Date - 03/02/2020

प्रश्न:

उत्तर : (1) (I) यह सतना के नागोद में स्थित
(II) गुप्तकालीन जैन जो गुप्त राजनैतिक स्थिति व्याख्या करता है

प्रश्न:

उत्तर : (B) कपुरी नरेश राजा पुरुषजसिंह द्वारा बनवाया गया यह स्थापत्य से संबंधित है

प्रश्न:

उत्तर (C) यह बिहार में स्थित हो जगदीशपुर में इसका निर्माण किया गया।

प्रश्न:

उत्तर (d) यशवंतराव होल्कर द्वितीय होल्कर वंश के अंतिम शासक रहे।

compulsury. Each question carries 03 (Three Marks)

प्रश्न:

उत्तर (E) पीरबुधान का मेला शिवपुरी में लगता है पीरबुधान दर्गा के लिए प्रसिद्ध।

पू./M =

प्रश्न:

उत्तर (F) (I) यह माण्डु में स्थित है होशंगशाह ने बनवाया यह तुगलक इस्लामिक शैली में बना यह घुमावदार व तीक्ष्ण दीवार वाला है

पू./M =

प्रश्न:

उत्तर (G) (I) यह विदिशा में स्थित है हेलियोडोरस द्वारा स्थापित, भागभद्र का शासनकाल था। इसे खम्बा बाबा भी कहते है वैष्णव धर्म से जुड़ा

पू./M =

प्रश्न:

उत्तर (H) (I) सिवाय → होशंगाबाद, बैतूल, हरदा।
(II) नृत्य ~~→~~ परधौनी, पतकोश, दादरा।
(III) राजकोरकू, और पारधी में विभक्त।
पोपरिया

पू./M =

प्रश्न:

उत्तर (I) (I) यह बैतूल में स्थापित बांध
(II) यह समान्तर गुप्तकालीन बांध है

पू./M =

(J) (1) यह ग्वालियर में स्थित 10वीं शताब्दी
तैरव, महेन्द्रपाल, पायुक्डशय के नाम
उल्लेखित पत्र से इगणक सिक्के भी मिले

(K) (1) अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में स्थित।
(11) बनने का कारण ठंडी कैलिफोर्निया जलधारा
(111) यह शुष्कता के कारण खनिज भण्डार

(L) (1) यह पश्चिमी यूरोप के काला सागर पर स्थित
(11) यह रूस व यूक्रेन में विवाद का
कारण है।

(M) (1) पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित। यह के
प्रमुख द्वीप (फिलिपिंस, लाओस, कम्बोडिया)
यह (10) Doted लाइन पर विवाद है

(N) शामिल देश (रूस, नार्वे, डेनमार्क, स्वीडन, आइसलैण्ड
कनाडा फिनलैण्ड) आर्कटिक स्पर्शी देशों का
संगठन)

(8) यह अमेरिका मे स्थित मीठे पानी की झील है नेवाडा - कैलिफ्रोनिया के सीमा पर स्थित

प्रश्न: (2.2)

उत्तर : (A) बाघ गुफाएं धार में स्थित है। इसमें निम्न विशेषताएं विद्यमान।

(i) गुफाओं की संख्या 9 वर्तमान में 5 स्थित।

(ii) गुफाएं बौद्ध धर्म से संबंधित।

(iii) गुफा संख्या (5) को पंचपाण्डव कहते परन्तु यहां बोधिसत्व की मूर्तियां है

(iv) गुफा चित्र व किया गया चित्रांकन अजंता के समकालिन है।

(v) बुद्ध को उपदेश देते हुए हवन करते हुए दिखाया गया है (9-10) वी शताब्दी गुफाएं है

प्रश्न: (2.2)

उत्तर (B) 1842 में ब्रिटिश नीतियों के विरुद्ध बुन्देला सरदारों का संयुक्त विद्रोह बुन्देला विद्रोह है

(1) विद्रोह के कारण → (i) कई कमीशन लागु करना

(ii) उच्च भू-राजस्व दरें व जबरन वसुली

(iii) कंपनी साम्राज्यवादी नीति व आंतरिक हस्तक्षेप

(v) अफगान युद्ध में कंपनी की पराजय।

(ii) पृष्ठभूमि → 1837 (बुढ़वा मंगल) में रणनीति तैयार की गयी

(iii) नेतृत्वकर्ता → मधुकर शाह, जवाहर सिंह, ... शाह, ... शाह, गणेशजु आदि।

(•) पराजय कारण → (i) एकीकृत नीति अभाव (ii) सदरसरों में एकता अभाव (... , ... , ...)

उत्तर :

(C) राजा मानसिंह तोमर ग्वालियर के महान संगीतकारों में से एक थे उनका जन्म ग्वालियर में हुआ इनकी निम्न उपलब्धियां है

(i) ठुमरी, टप्पे, व ख्याल गायन में विशेष सिद्धहस्तता प्राप्त की।

(ii) उनके प्रमुख ग्रंथ के संगीत उपासन कुपरी है।

(iii) ग्वालियर में संगीत विद्यालय की स्थापना की।

(iv) ख्याल गायन को वैश्विक प्रसिद्धि दिलायी।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर (D) खिलजी वंश स्थापना (1406 AD) महमूद ने की इनके समयकाल की निम्न उपलब्धियां रही।

(a) राजनैतिक विजय → चित्तौड़ (महमूद खिलजी) गुजरात विजय, सिंध के विरुद्ध सफलता प्राप्त की।

(b) सांस्कृतिक → होशंगशाह मकबरा, जहाज महल, हिंडोला भवन, जामी मस्जिद निर्माण

(c) प्रमुख युद्ध संघर्ष → (i) गागरोन युद्ध (राणा सांगा व महमूद खिलजी II) (ii) खंडवा युद्ध (महमूदशाह वं खिलजी महमूद), बगलाना युद्ध (फारूकी वंश के विरुद्ध)

(d) कमियां → मेदनीराय हस्तक्षेप, महमूद पुनर्गठन, उनका हस्तक्षेप अंतत राणा सांगा के विरुद्ध पराजय।

उत्तर

(E) आल्हा-उदल गीत बुन्देलखण्ड का प्रमुख लोकगीत है इसके अंतर्गत आल्हा-उदल विजयगाथा का उल्लेख किया जाता है इसमे वीर रस प्रधानता है यह गीत जगनीक कृत आल्हा-उदल कथा से प्रेरित। इनके संबंध मे निम्न कथाएं प्रसिद्ध है।

(I) परमार्दीदेव चन्देल के सेनापति रहे।

(II) पृथ्वीराज III के विरुद्ध युद्ध मे वीरगति प्राप्त।

(III) इन्हे (100) युद्धो का विजेता बताया गया

ऐतिहासिक जानकारी के रूप मे ← महत्व → बुन्देलखण्ड संस्कृति का प्रदर्शन → उत्तर भारत के भक्ति स्वरूप से

प्रश्न: (2.2)

उत्तर (B) महादजी सिंधिया (1761-1794) तक शासक रहे। सैन्य विजय :- (I) सिंधिया ने गोहद शासक लोकेन्द्रसिंह को पराजित किया

(II) शाहआलम II को दिल्ली गद्दी पर आसीन कर अंग्रेजो से मुक्त करवाया तथा वकील-मुल्तक पद प्राप्त।)

(III) राजस्थान विजय बुंदी, कोटा, जोधपुर, जयपुर। देवी अहिल्या व तुकोजी होल्कर सहयोग से

(IV) रामपुरा चन्द्रावत राजपूतो को कुटनीतिक रूप से कमजोर कर अहिल्याबाई को सौंपना।

(V) 1768 मे तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध का नेतृत्व किया

(VI) निजाम, टीपु के विरुद्ध युद्ध मे भाग लिया।

(VII) रुहेलो के विरुद्ध युद्ध अभियान किए

उत्तर :

(अ) राजा भोज ने निम्न साहित्यिक उपलब्धिया हासिल की।

(ब) स्वय ने 26 साहित्य लिखे। जैसे

(i) समरांगणसूत्रधार → वास्तुकला विषय संबंध

(ii) युक्तिकल्पतरु → उद्योग विषय संबंधि जानकारी

(iii) सरस्वतीकंठाभरण → संगीत व उसके उपकरण संबंधय

(iv) सिद्धांत संग्रह → राजनैतिक विचार व ज्योतिषशास्त्र

अन्य साहित्यकारो को संरक्षण दिया जैसे

(i) धनिक, दुर्वेश्वर, देवसेन, प्रभाचन्द्रसूरी, धनपाल

(ii) धनपाल ने दसरूपक व धनंजय ने दशरूपावलोक लिखी।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर : I प्रवाल विनाश के निम्न कारण विद्यमान।

(i) बढ़ता तापमान जिससे प्रवालो मे उत्पन्न प्रवाल विरंजन की घटना

(ii) समुद्री लवणता मे वृद्धि जिससे O_2 मे आती कमी।

(iii) समुद्री सतह खनन, ऑयल ड्रिलिंग गतिविधि

(iv) पर्यटन गतिविधि से बढ़ता प्रदूषण व अपशिष्ट

(v) नदियो द्वारा लायी गाद अवसाद जिससे इनके 'मुख' बंद हो जाते है तथा पोषण बाधित होते है

(vi) प्राकृतिक ज्वार सुनामी ज्वालामुखी आदि कारक भी जिम्मेदार।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर : (7) निर्माण का प्रमुख कारक अभिसरण प्लेट गतिविधि है।

→ यूरेशिया प्लेट के फिलिपिन प्लेट से अभिसरण हुआ।

→ यूरेशिया प्लेट अधिक घनत्व युक्त जो फिलिपिन प्लेट के नीचे क्षेपित हुई

→ दोनों प्लेटों के महासागरीय होने से अधिक क्षेपण न होना।

→ अभिसरण से ज्वालामुखी विभेदन जिससे वलयकारी ज्वालामुखी द्वीपों का निर्माण हुआ।

→ यह रिंग-ऑफ-फायर का हिस्सा है।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर (4) वह क्षेत्र जो वर्षभर बर्फ से ढका हो हिममण्डल कहलाता है उदाहरण आर्कटिक, ध्रुव आदि

प्रभावित कारक → (i) ध्रुव व विषुवत रेखा के मध्य तापान्तर उत्पन्न करता है

(ii) प्रचलित ध्रुवीय-पछुआ पवन उत्पत्ती में योगदान

(iii) ठण्डी समुद्री जलधारा (लेब्राडोर) उत्पत्ती कारक

(iv) समुद्र में स्वच्छ जल प्रदान कर लवणता, घनत्व, तापमान निर्धारण

(v) ठण्डी शीत लहर उत्पत्ती उदाहरण कनाडा, यूरेशिया

(vi) सुपोषण में उत्प्रेरकों उत्पन्न कर उत्पादकता में योगदान

(vii)

(A) यूनेस्को द्वारा विश्व की कुछ ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों को वैश्विक धरोहर घोषित किया जाता है मध्यप्रदेश में ऐसी तीन धरोहर है खजुराहो → 1986

आवश्यक शर्तें →

(i) सांस्कृतिक महत्व हो
(ii) स्थापत्य अलंकरण विशिष्टता
(iii) राष्ट्रीय गौरव व कला के रूप में महत्व

(ब) खजुराहो → छतरपुर जिले में स्थित
1986 में घोषित।

विशेष संदर्भ → (i) चन्देल कालीन (85) मंदिर।
(ii) मंदिर निर्माण नागर शैली।
(iii) मंदिर वैष्णव, शैव, जैन धर्म से संबंधित
(iv) मंदिर लाल बलुआ पत्थर से निर्मित
मण्डपों में उत्कृष्ट प्रभाव
मंदिर संकुल तीन भागों में विभक्त

कंदरिया महादेव, विश्वनाथ, चित्रगुप्त मंदिर। ← पश्चिम | पूर्व → पार्श्वनाथ, आदिनाथ, घंटाई

↓ दक्षिण
चतुर्भुज मंदिर।
दुल्हादेव।

(२) सांची → रायसेन जिले में स्थित। (1989) में घोषित।

विशेषताएं → (I) अशोक द्वारा निर्मित स्तूप

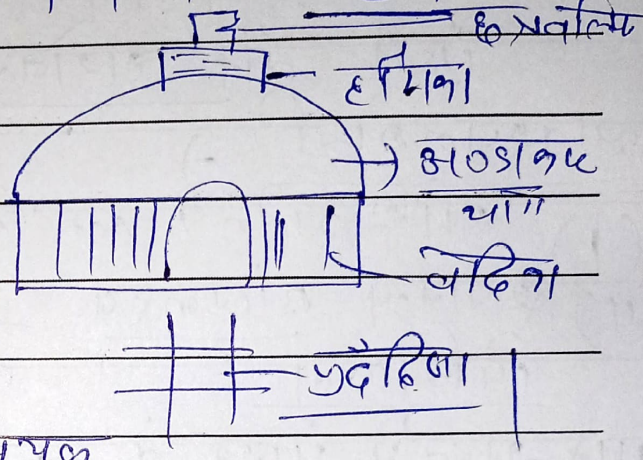

(II) स्तूप का मुख्य भाग अण्डाकार, इसके ऊपर हर्मिका, छत्रावलि स्थित

(III) चारों ओर वेदिका स्थित

(V) प्रदक्षिणा क्रियाओं की सूचक

(VI) प्रदक्षिणा पर बौद्ध जातक कथाओं का अलंकरण, हीनयानी अलंकरण व त्रिआयामी प्रभाव चित्रों में

यहाँ बौद्ध विश्वविद्यालय खोला जा रहा है।

(3) भीमबेटका → रायसेन में स्थित 2003 में घोषित। यहां (पुरापाषाण से मध्यपाषाणकाल तक) पुरातात्विक अवशेष प्राप्त। इसकी खोज वि.एस. वाकणकर ने की थी।

विशेषताएं → (I) प्रागैतिहासिक पाषाणकाल चित्रों की उपस्थिति (II) शिकार, नृत्य, पशु आदि के चित्र (III) चित्रों में उपयोगी रंग खनिज द्वारा बनाए गए (IV) पाषाणकालीन महत्वपूर्ण देन।

(B) भोपाल राज्य की स्थापना का श्रेय दोस्त मोहम्मद खान को जाता है जिसने प्रारंभ में रानी कमलावती गोंड रानी के सहयोगी के रूप में कार्य किया तत्पश्चात (1724) भोपाल रियासत की स्थापना की।

भोपाल राज्य महिमा को निम्न शासकों के संदर्भ में समझा जा सकता है

(I) दोस्त मोहम्मद खान - (I) हुसैन शिदिया, शासन शापसेन, पठारी दोनों पर विजय प्राप्त की।

(II) जगदीशपुर राजपूतों का दमन।

(III) ढाई सीढ़ी मस्जिद, फतेहगढ़ दुर्ग बनवाया

बाद के शासकों में भोपाल रियासत अपने बेगमों के शासन हेतु जाना गया

गोहर बेगम (कुदसिया) (1818-37)	सिकन्दर जहां (1842-68)	शाहजहां बेगम (1868-1901)	सुल्तान जहां (1901-1926)	नवाब हमीदुल्ला खान (अंतिम शासक)

(a) कुदुसिया बेगम → जलप्रपात, जलआपूर्ति का निर्माण तथा जामा मस्जिद

(B) सिकन्दर जहाँ → सैन्य पुनर्गठन, प्रशासन में विस्तरीयकरण किया कानूनों का लिपिकरण, मजलिस-ए-खुद्दाम की स्थापना। 1857 क्रांति में ब्रिटिश सहयोग किया।

(C) शाहजहाँ बेगम → कपड़ा मिल, शाहजहानी बांध, प्रशासन पर्दा प्रथा अपनायी, लेडी लैंसडाउन महिला चिकित्सा अस्पताल व प्रसूति अस्पताल (प्रिंस ऑफ वेल्स)

(d) सुल्तानजहाँ → शिक्षा को प्रोत्साहन तथा भोपाल-ब्लासी रेल लाइन निर्माण

(e) नवाब हमीदुल्लाह → अंतिम भोपाल शासक रहे इन्ही समय राज्य प्रजामण्डल आंदोलन आरंभ हुआ। भोपाल को पूर्णतः स्वतंत्र रखने का प्रयास किया गया अंतत पटेल के दबाव से भोपाल को इन्ही के समझौते से (1 जून 1949) में भारत में शामिल कर लिया गया।

(c) वैश्विक कोयला उत्पादन के प्रमुख चार देश क्रमश: चीन, अमेरिका, आस्ट्रेलिया व भारत है।

कोयला मुख्यत: गोड़वाना युग की चट्टानों से प्राप्त होते हैं। जब कार्बोनीफेरस काल में निर्मित हुआ पर प्रमुखत: नदी घाटीयों में पाया जाता है।

विश्व के प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित है

(i) चीन → ह्वांगहो, यांगसी नदीयों के घाटी में स्थित।

क्षेत्र
→ शांची
→ शेंसी
→ जेचवान

(ii) अमेरिका → यहा का प्रमुख क्षेत्र अप्लेशियन कोयला क्षेत्र है इसके अतिरिक्त नेवाडा, अलास्का ओरिगेन कालरोडो प्रमुख क्षेत्र भी है।

(3) आस्ट्रेलिया → मरे, डार्लिंग नदी घाटी में स्थित।

→ न्यूसाउथ वेल्स
→ न्यू क्वींसलैंड
→ पर्थ

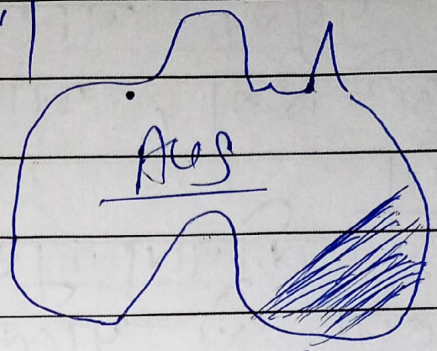

(4) रूर बेसिन → जर्मनी की राइन नदी घाटी में स्थित विश्व प्रसिद्ध।

(5) रूस →
→ कुजनेत्स्क बेसिन
→ डोनेत्स्क बेसिन
→ वोल्गा नदी घाटी।

(6) भारत →
→ रानीगंज (बंगाल) धनबाद (बिहार)
→ आसनसोल (बंगाल), सोहागपुर
→ सिंगरौली (म.प्र), उमरिया, पेंचघाटी
→ सिंगरेनी (आंध्रा), तालचेर (उड़ीसा)
→ झरिया (झारखंड) रायकोला (छत्तीसगढ़)

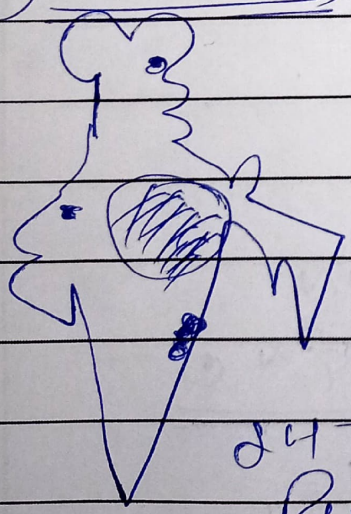

इस तरह कोयला वैश्विक धरातल पर वितरित है।

(D) नीति आयोग द्वारा जारी नवीन परिदृश्य रिपोर्ट में माना गया है चौथा विदेशी म.प्र.पर्यटन में आता है। म.प्र.पर्यटन में कई आकर्षक स्थल विख्यात है

ऐतिहासिक	धार्मिक	प्राकृतिक
→ भीमबेटका	→ उज्जैन	→ पंचमढ़ी
→ ग्वालियर दुर्ग	→ ओंकारेश्वर	→ अमरकंटक
→ खजुराहो मंदिर	→ अमरकंटक	→ हनुवंतिया
→ सांची	→ मैहर	→ महेश्वर
→ रायसेन दुर्ग	→ बड़वानी	→ भोपालझील
→ मदनमहल	→ दतिया (सोनागिरि)	→ भेड़ाघाट
	→ पशुपतिनाथ	

अन्य संभावनाएं →

(I) प्रचलित जैवविविधता हेतु कान्हा किसली, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना आदि रिजर्व

(II) प्रचलित मानव संसाधन उपलब्ध उदा बैगा जनजाति महिला टूरिस्ट गाइड के रूप में

(III) म.प्र. स्थिति अर्थात उपयुक्त कनेक्टिविटी।

(IV) धर्म, संस्कृति, स्नान में विविधता।

परन्तु मध्यप्रदेश अपनी कुल संभावना का मात्र पर्यटन उपयोग कर सका।

प्रमुख चुनौतियाँ :- (I) रेल कनेक्टिविटी की कमी।

(II) वायुयान सेवाएं पर्यटक स्थलों के निकट नहीं (अपवाद खजुराहो)

(III) पर्यटक सुरक्षा, दुर्व्यवहार आदि जैसे अपराध

(IV) पर्यटक हेतु ब्रांडिंग की कमी

(V) आधारभूत अवसंरचना, सड़क, इन्टरनेट, होटल परिवहन चुनौती।

(VI) आकर्षक नीति का अभाव।

(VII) स्वच्छता, सरलता का अभाव तथा धरोहर की उचित देखभाल नहीं।

आगे की राह → (I) ब्रांडिंग करें जैसे (देखो अपना म.प्र)

(II) रेल, वायुयान, कनेक्टिविटी बढ़ाएं जैसे उड़ान योजना

(III) पर्यटकों के लिए (VFT) कम करें

(IV) व गाइड के प्रशिक्षण की व्यवस्था करें

म.प्र सरकार ने राज्य पर्यटन नीति 2016, पर्यटन परिषद, राज्य पर्यटन बोर्ड, पर्यटन मित्र, बौद्ध सर्किट आदि। प्रयास द्वारा प्रदेश में पर्यटन को प्रोत्साहित किया